Mar Thoma Residential School, Thiruvalla

Second Model Examination 2019

HINDI

Std. X

Marks.
Time.

Section A is compulsory. Attempt any Four questions from Section B, answering at least one question each fr[om] the two books.

Section A [40 Marks]

Question 1

Write a short composition (250 words) on any one of the following topics :-

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर 250 शब्दों में लेख लिखिए :

(i) अपनी किसी प्रिय पुस्तक को चुनिये और बताइये कि यह आपको क्यों प्रिय लगती है ?

(ii) सदाचारी व्यक्ति जीवन के हर पहलू में सकारात्मक सोच रखते है। मानव जीवन में सदाचार का महत्व स्पष्ट करते हुए समझाइए।

(iii) कम्प्यूटर और मोबाइल मनोरंजन के साथ-साथ हमारी जरूरत का साधन बन गए है। हर क्षेत्र में इनसे मिलने वाले लाभों तथा हानियों का वर्णन करते हुए अपने विचार प्रकट कीजिए।

IV. 'मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना' उक्ति को आधार बनाकर एक कहानी लिखिए।

V. प्रस्तुत चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर कोई लेख या कहानी लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बंध चित्र से होना चाहिए।

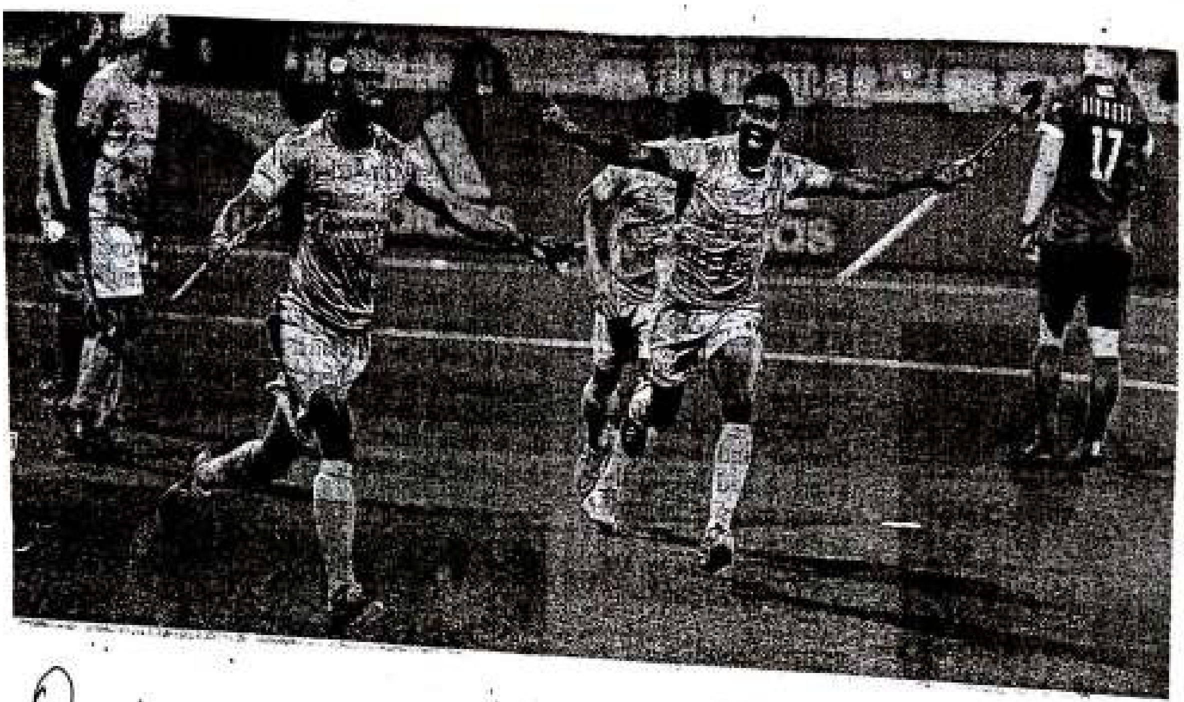

Question- 2.

Write a letter (120 words) on any one of the topic given below :-

किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए

i अस्वस्थ दादाजी के स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए दादीजी को पत्र लिखिए।

ii अपने प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अपने सहपाठी की बहादुरी से अवगत कराइए तथा उनसे प्रार्थना कीजिए कि इस वीरता के लिए सरकार की ओर से उसे पुरस्कृत किया जाये।

Question-3 Read the passage given below and answer the questions that follow, using your own words as far as possible :- [10]

गद्यांश पढ़कर यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखिए :-

संत तुकाराम प्रेम की जीती-जागती मूर्ति माने जाते थे। उन्होंने अपना समस्त जीवन दीन-दुखी लोगों की सेवा व सहायता के लिए अर्पित कर दिया था। वे परम दानी थे। कुछ भी उपलब्ध होता, तो वे दान का कोई भी प्राप्त अवसर न छोड़ते थे। एक समय तो ऐसा आ गया कि उनके तथा उनकी पत्नी के भूखे रहने की स्थिति आ पहुँची। घर में अन्न-दाना आदि कुछ भी नहीं था। उनकी पत्नी ने उनसे कहा, "जाओ स्वामी! खेत से कुछ गन्ने ही उखाड़कर ले आओ। आज का तो दिन निकल ही जाएगा।" संत तुकाराम पत्नी की बात मानकर ईख के खेत की ओर चल दिए। गन्ने उखाड़कर उन्होंने एक गट्ठर बाँधा और घर की ओर चल पड़े।

मार्ग में जो कोई भी मिलता, वह उनसे गन्ना प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त करता था। वे माँगने वालों को कभी भी निराश नहीं कर सकते थे। परिणामस्वरूप जब भी कोई गन्ना माँगता तो एक गन्ना गट्ठर में से निकालकर सप्रेम दे देते थे। एक-एक करके गन्ने बँटते गए। जब उनका घर पास आया, तो उन्होंने देखा कि अब उनके पास एक ही गन्ना रह गया है।

जब संतजी की पत्नी ने देखा कि उनके पति के हाथ में केवल एक ही गन्ना है, तो वह क्रोध से आगबबूला हो गई। उन्होंने संत जी के हाथ से गन्ना छीनकर उन्हें गन्ने से पीटना शुरू कर दिया। पीटते-पीटते गन्ना दो टुकड़ों में बँट गया, तब कहीं जाकर पत्नी का क्रोध शांत हुआ।

गन्ने के दो भाग देखकर तुकाराम प्रसन्न मुद्रा में बोले," देखो भाग्यवती! तुम्हारे क्रोध ने एक अच्छा काम कर दिया है गंन्ना दो भागों में बँट गया है। अब एक तुम ले लों और दूसरा मैं ले लेता हूँ।

अपने क्रोध के समक्ष क्षमा, सहनशीलता और प्रेम के अगाध सागर को सांमने पाकर संत तुकाराम की पत्नी पानी-पानीं हो गई। वह पश्चाताप में सिर धुनने लगी। संतजी ने बड़ी आत्मीयता से अपनी पत्नी के आँसू पोंछकर उन्हें चुप कराया और उसके हाथ में गन्ने का टुकड़ा दे दिया।

1. संत तुकाराम के चरित्र में क्या-क्या विशेषताएँ थीं?
2. संत तुकाराम किसके कहने पर, क्या लेने, कहाँ गए?
3. गंट्ठर में कितने गन्ने बचे रह गए और क्यों?
4. संत की पत्नी ने उन्हें क्यों पीटा? उसका क्रोध कब शांत हुआ?
5. मार खाकर संत तुकाराम ने पत्नी से क्या कहा? उनके व्यवहार से क्या शिक्षा मिलती है?

Question-4. Answer the following according to the instructions given :- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :- [8]

i) किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :-

आनंद, पुत्र, राक्षस

ii किन्हीं दो शब्दों के विलोम शब्द लिखिए ।

आलस्य , कीर्ति, विस्तृत , अंत

iii निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए ।

रोग , दर्शन

iv किन्हीं दो के शुद्ध रूप लिखिए .

प्रतिष्टा , परीस्थती , पयासा , नदीयाँ

v. किसी एक मुहावरे की सहायता से वाक्य बनाइए :-

अपना उल्लू सीधा करना , हाथ मलना

vi कोष्ठक में दिए गए वाक्यों में निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए :-

i रविवार <u>सप्ताह में होने वाला</u> अवकाश है ।

[रेखांकित के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कर वाक्य पुनः लि

ii तुम्हारा पत्र पढ़कर मुझे आनंद आया ।

['वाक्य में 'आनंदित' शब्द का प्रयोग कीजिए]

iii हमसे झूठ नहीं बोला जाएगा ।

[कर्तृवाच्य में बदलिए]

Section - B [40 Marks]

Read the extracts given below and answer the questio

Question : 5

नृत्य करते समय उसके पैरों की ताल व हाथों की थिरक विशेष देखने योग्य थी। अपने नाजुक बदन को वह हर

दिशा में आसानी से मोड़ लेती थी।

i) नृत्य कब, कहाँ और किसे प्रस्तुत करना था? 2

ii) नर्तकी ने किस रंग की साड़ी पहन रखी थी? साड़ी की व्यवस्था कैसे की गई? [साड़ी कहाँ से ली गई?] 2

iii) नृत्य प्रस्तुत करते समय सर्वाधिक दर्शनीय क्या था? और दर्शकों पर उसकी क्या प्रतिक्रिया हुई? 3

IV) नृत्य समाप्त होने पर उसने मन में क्या सोचा और क्या अनुभव किया? 3

Question-6

एक घंटे का समय कहाँ व्यतीत करे, उसकी कुछ समझ में ही नहीं आ रहा था। तभी उसने एक पत्रिका खरीदी और पास में पड़ी एक बेंच पर बैठकर पढ़ने लगी।

1. कौन किसका इंतजार कर रहा है? और कहाँ? 2
2. उसे यह समय बहुत लंबा क्यों लग रहा है? 2
3. इस इन्तजार का वास्तविक उद्देश्य क्या है? यह कथन किस परिप्रेक्ष्य में कहा गया है? 3
4. आगन्तुक को देख अमित ने कैसा अनुभव किया? 3

Question-7-

उन्होंने धनीमल जी से कहा, "इसकी कोई जरूरत नहीं है। हम अभी एक लड़की देख कर आए हैं। पसंद भी आ गई है सबको।"

1. वक्ता कौन है? वे किसे देखने गए थे? 2

2. धनीमल ने क्या प्रस्ताव रखा? वक्ता को वह स्वीकार्य क्यों नहीं था? 2

3. धनीमल कौन है? वक्ता के मना करने पर भी उन्होंने क्या कहा? 3

4. धनीमल के जाने के बाद वक्ता के परिवार के सदस्यों की मन:स्थिति कैसी थी? माताजी की युक्ति क्या थी? 3

एकांकी संचय

Question-8. बस! मैं देती हूँ तुम्हें रुपये। इनके मुँह पर मारकर कहना कि यह लो कागज के रंग-बिरंगे टुकड़े जि[न्हें] तुम आदमी से ज्यादा प्यार करते हो।

i वक्ता कौन है? वह किसे रुपये देना चाहती है और क्यों 2

ii श्रोता को वह क्या सुझाव देती है? 2

iii 'कागज के रंग-बिरंगे टुकडों' का क्या अभिप्राय है? 3

IV उक्त कथन द्वारा वक्ता के चरित्र की कौनसी विशेषताएँ ज्ञा[त] होती है? 3

Question-9

...और मैं सिहर उठता हूँ। ना बेटा, मैं अपने जीते जी यह सब न होने दूँगा। तुम चिन्ता न करो। मैं सबको सम[झा] दूँगा। घर में किसी को तुम्हारी पत्नी का तिरस्कार करने का प्रयास न होगा।

i. वट वृक्ष को देखकर दादाजी के मन में कौन-सी कल्पनाएँ जाग जाती हैं? 2.

ii) दादाजी का मन क्या सोचकर सिहर उठता है ? वे किस चिन्ता में डूबे हैं ? 2

iii) दादाजी कैसे विचारों के व्यक्ति हैं ? उनकी क्या अभिलाषा है ? 3

iv अपनी छोटी बहू के विषय में दादाजी के क्या विचार हैं ? 3

Question-10

आज मैं दरबार में नहीं जाऊँगा। मेरी आत्मा मुझे धिक्कार रही है। बाप्पा रावल और वीरवर हम्मीर का रक्त जिस धमनियों में बह रहा हो, वह प्राणों के भय से भाग जा। यह कितने कलंक की बात है।

i वक्ता कौन है वह दरबार में क्यों नहीं जाना चाहते ? 2

ii श्रोता कौन है और वक्ता श्रोता से किस घटना की चर्चा कर रहा है ? 2

iii वक्ता को युद्ध के मैदान से भागना क्यों पड़ा था ? 3

iv वक्ता को इसके लिए ग्लानि क्यों हो रही है ? 3